[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 9001 **IC**

Unique Paper Code : 12057612

Name of the Paper : Hindi Rangmanch

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS–DSE**

Semester : VI

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. पारंपरिक रंगमंच की प्रमुख शैलियों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

आधुनिक हिंदी रंगमंच की प्रदर्शन परंपरा का विवेचन कीजिए। (15)

2. हिंदी रंगमंच के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

अथवा

P.T.O.

'भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) ने हिंदी रंगमंच को नयी सोच और दिशा दी है'- इस कथन के आलोक में इप्टा का महत्त्व स्पष्ट कीजिए। (15)

3. आधुनिक हिंदी रंगमंच की यथार्थवादी शैली का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

आधुनिक हिंदी रंगमंच के विकास में एब्सर्ड नाटकों के महत्त्व का विश्लेषण कीजिए। (15)

4. 'इब्राहिम अलकाजी ने हिंदी रंगमंच को नई ऊँचाई प्रदान की है'- इस कथन के आलोक में उनकी रंग-दृष्टि का मूल्यांकन कीजिए।

अथवा

हाल ही में प्रस्तुत किसी नाटक की रंगमंचीय समीक्षा कीजिए। (15)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (8,7)

(i) बिदेसिया;

(ii) पृथ्वी थिएटर;

(iii) भारत भवन रंगमंडल, भोपाल;

(iv) श्यामानंद जालान की रंग-दृष्टि।